भाजपा प्रदेश में फैला रही है अराजकता पेज 9

तृणमूल सांसद तापस ने बिना शर्त मांगी माफी पेज 12

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

आजीवन प्रतिबंध

न्यूजीलैंड के क्रिकेटर लू विन्सेंट के मैच फिक्सिंग की बात कबूलने के बाद ईसीबी ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है।

14, मेरठ, पांच प्रदेश, 18 संस्करण बुलंदशहर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 5, अंक 155, 16 पेज, मूल्य ₹3.00+₹1.00 (नई दिशाएं-ऐच्छिक), आषाढ़ शुक्ल पंचमी, विक्रम संवत् 207

देश-विदेश में फैला रखा था खिलाड़ियों से जालसाजी का कारोबार

25 साल से कर रहा था ठगी

बुलंदशहर | हमारे संवाददाता

थ्रो-बॉल में देश-विदेशों में खिलाने के नाम पर ठगी का धंधा 25 साल से चल रहा था। खिलाड़ियों को हांगकांग, बैंकांक, सिंगापुर आदि देशों में खेलने का प्रलोभन दिया जाता था और उनसे रुपये वसूले जाते थे। 1989 में विदेश में खिलाड़ी से ठगी का पहला मामला सामने आने के बाद फेडरेशन और पुलिस को ठग की तलाश थी।

बुलंदशहर में ठगी का मामला वर्ष 1992 में सामने आया था। बंगलूरू निवासी टी.रम्मन्या ने शहर के उमेश गोयल और राजेश शर्मा को इंडिया टीम में चयनित करके सिंगापुर में खिलाने का झांसा दिया और आठ-आठ हजार रुपये वसूले। मामले में डिस्ट्रिक थ्रो बॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी श्रीकांत शर्मा और अध्यक्ष स्वर्गीय मक्खनलाल गुप्ता ने उक्त व्यक्ति के विरुद्ध आईपीसी की धारा-406 में नगर कोतवाली में एफआईआर कराई थी। थ्रो-बॉल फेडरेशन ऑल इंडिया के एग्जीक्यूटिव

बुलंदशहर में मंगलवार को पुलिस द्वारा पकड़ा गया इंटरनेशनल ठग।

मैम्बर श्रीकांत शर्मा ने बताया कि तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में भी टी.रम्मया के विरुद्ध धोखाधड़ी के अनेक मुकदमे दर्ज हैं। हरियाणा में यह व्यक्ति खिलाड़ियों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका है। वहां की पुलिस भी उस की तलाश में है।

2004 तक केंद्र से ली ग्रांट

खुद को थ्रो-बॉल एसोसिएशन का जनरल सेक्रेटरी बताने वाला टी.रम्मन्या वर्ष 2004 तक स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ऑफ इंडिया एवं केंद्र सरकार नई दिल्ली से भी ग्रांट लेता रहा है। फेडरेशन के वर्तमान पदाधिकारियों की मानें तो उसने फर्जी

पकड़ा गया ठग

- 1989 में सामने आया था पहला मामला, तभी से थी तलाश
- खिलाड़ियों को दिया जाता था नेशनल टीम में चयन का प्रलोभन

कागजात के आधार पर मिनिस्ट्री से अपनी एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त कर रखी थी। केंद्र सरकार को जब वर्ष 2004 में उसके फर्जीवाड़ों का पता चला तो तभी से उसकी ग्रांट रोक दी गई। स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ने भी फर्जीवाड़े के आरोपी द्वारा लगातार ग्रांट लिए जाने पर नाराजगी जताई थी।

खिलाड़ियों से फिर थी डीलिंग

पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया ठग दिल्ली आने के बाद गाजियाबाद व बुलंदशहर के कुछ खिलाड़ियों से मिलने वाला था। माना जा रहा है कि उन्हें भी इंडिया टीम में खिलाने का प्रलोभन दिया जाता और उसके नाम पर ठगी की जाती। परंतु इस बार ठग हत्थे चढ़ गया।

बुलंदशहर पुलिस ने पकड़ा अंतरराष्ट्रीय ठग

बुलंदशहर | हमारे संवाददाता

विदेशों में थ्रो बॉल खिलाने के नाम पर ठगी करने वाला अंतरराष्ट्रीय स्तर का ठग मंगलवार को पकड़ा गया। भारत और इंग्लैंड में उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं। बंगलूरू से फ्लाइट से उतरने के बाद वह गाजियाबाद और बुलंदशहर के खिलाड़ियों को फिर से ठगने की तैयारी में था।

पकड़ा गया युवक टी. रम्मन्या पुत्र पापन्या है। वह बंगलूरू का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार वह खुद को थ्रो बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया का जनरल सेक्रेटरी बताकर खिलाड़ियों से विदेश में खिलाने के नाम पर ठगी करता था। बुलंदशहर में उसके विरुद्ध वर्ष 1992 में दो खिलाड़ियों से 16 हजार रुपये ठगने की रिपोर्ट नगर कोतवाली में दर्ज हुई थी। हरियाणा में भी करोड़ों रुपये की ठगी में रिपोर्ट दर्ज है। तभी से वह फरार चल रहा था। थ्रो-बॉल फेडरेशन ऑफ

कई मुकदमे हैं दर्ज

- खिलाड़ियों को लगाता था चूना बंगलुरु से आया था दिल्ली
- विदेशों में थ्रो बॉल खिलाने के नाम पर करता था ठगी

इंडिया के जनरल सेक्रेटरी नरेश मान बताया कि मंगलवार को आरोपी व्य के फ्लाइट से बंगलूरू से दिल्ली पहुं की सूचना मिली।

इस पर फेडरेशन के पदाधिक पुलिस बल के साथ दिल्ली पहुंचे। पुलि ने दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर से आरोपी गिरफ्तार कर लिया और बुलंदशहर आए। नरेश मान ने बताया कि आरोपी विरुद्ध भारत और इंग्लैंड में ठगी दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाली प्रभ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि या के आधार पर टी. रम्मन्या को गिरफ किया गया है। नगर कोतवाली पुलि आरोपी से पूछताछ कर रही है।